>

Title: Need to improve the power supply in urban and rural areas of Palamu parliamentary constituency of Jharkhand.

श्री कामेश्वर बैठा (पलामू): सभापति जी, मैं पलामू संसदीय क्षेत्र से आता हूं और मैं पलामू की जनता की संवेदना आपके बीच में रखना चाहता हूं। मेरा पलामू संसदीय क्षेत्र दो नामों से विख्यात है। पहला अकाल और सुखाड़ और दूसरा नक्सलवाद। मेरा संसदीय क्षेत्र पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। वहां हर साल अकाल पड़ता है और सिंचाई का कोई भी साधन नहीं है। आज हमारे क्षेत्र में एक बूंद भी पानी नहीं है और भदई फसल चौपट हो गयी है और आगे की फसल के होने की भी कोई उम्मीद नहीं है।

हमारे संसदीय क्षेत्र पलामू तथा गढ़वा जिला को उत्तर प्रदेश के रेहन्ड से 30 मेगावाट तथा बिहार के सोननगर से 25-30 मेगावाट बिजली प्राप्त होती है जो बिल्कुल अपर्याप्त है। हमारे दोनों जिलों को 500-500 करोड़ रुपया प्रतिवर्ष मुहैया कराया जाए। मैं कहना चाहता हूं कि हमें रेहन्ड तथा सोननगर से क्रमशः 60 से 50 मेगावाट बिजली दी जाए एवं पलामू प्रमंडल को रांची के हटिया ग्रिड से तत्काल जोड़कर बिजली दी जाए जिससे किसान और व्यवसायी राहत की सांस ले सकें।

हमारे पलामू के किसानों की खेती नष्ट हो चुकी है, इसलिए उन्हें जिंदा रहने के लिए प्रति एकड़ भूमि पर मुआवजा दिया जाए। यही मेरी मांग है।